Seminar on
Containing Counterfeiting and Smuggling
A Step Towards Prosperous Nation Building
Thursday, 13 February 2020: Hotel Holiday Inn, Near Nehru Sahkar Bhawan, Jaipur

The Public Side Jaipur

Prevention of smuggling can Increase employment by up to 16.36 lakh jobs in Five Key Industries: FICCI CASCADE

Seminar on Containing Counterfeiting and Smuggling- A Step Towards Prosperous Nation Building

Jaipur. "Counterfeiting and smuggling related crimes have increased manifold in the global market resulting in revenue loss to government and businesses and adversaly impacting the health and safety of the consumers" said Shri Ramesh Chand Meena, Hon'ble Minister for Food, Civil Supplies & Consumer Affairs, Government of Rajasthan, chief guest at the FICCI CASCADE (Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy) seminar on 'Containing Counterfeiting and Smuggling- A Step Towards Prosperous Nation Building' organized today. He extended his support and looks to working in close collaboration with FICCI CASCADE to address this issue. The seminar discussed the importance of increased awareness on the hazards of counterfeiting and smuggling, and the need for effective enforcement to enhance India's economic development.

Dr K L Jain, Member, FICCI Rajasthan State Council & Honorary Secretary General, RCCI. in his welcome address highlighted that counterfeiting and smuggling adversely impacts industries, consumers, government and economies as a whole. Illicit trade has a serious decelerating effect on growth which must be curbed substantially. Consumers must be emphasized on taking a bill on every purchasefor making India a tax complaint nation and encouraging citizens to be a part of progressive nation building. As per FICCI CASCADE report,the total loss to the industry on account of illicit markets in just seven manufacturing sectors is about Rs. 105,381 crs and the total loss to the government is Rs 39,239 crores. Amongst the various sectors, the maximum revenue loss to the exchequer is attributed to tobacco products, estimating a revenue loss of Rs. 9139 crores, followed by mobile phones at Rs 6705 crores and alcoholic beverages at Rs 6309 crores. FICCI CASCADE's recent study titled- 'Invisible Enemy: Impact of Smuggling on Indian Economy and Employment' quantitatively estimates both revenue andemployment opportunity lost due to smuggling in five specific industries. According to the report the total direct employment opportunity lost in Textiles, Cigarettes, Readymade Garments, Capital Goods and Consumer Electronics is about 5.01 lakh in 2017-18. 3.55 lakh employment opportunity lost is in readymade garments and tobacco products, being largely labour-intensive industries.

Dainik Bhaskar Jaipur

फिक्की के सेमिनार में बोले व्यापारी

जालसाजी-तस्करी से जुड़े अपराधों में बढ़ोतरी से व्यापार को नुकसान

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

जालसाजी और तस्करी से जुड़े अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुना बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप सरकार व व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है। साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य व सुरक्षा पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। कहना था खाद्य आपूर्ति मंत्री रमेश चंद मीणा का। वे गुरुवार को होटल हॉलिडे इन में फिक्की कैस्केड की ओर से 'कर्टेनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवर्ड्स प्रोस्पोरस नेशन बिल्डिंग' विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे।

सेमिनार में जालसाजी और तस्करी के खतरों पर जागरूकता बढ़ाने और भारत के आर्थिक विकास को बढ़ाने पर चर्चा हुई।

इस मौके पर तमिलनाडु से रीको सदस्य डॉ. के. एल. जैन ने कहा, अवैध व्यापार का विकास पर एक गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। जिस पर काफी हद तक अंकुश लगाया जाना चाहिए।

इस दौरान फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया जिसके अनुसार 7 क्षेत्रों में अवैध बाजारों के कारण उद्योग में 105,381 करोड़ और सरकार को 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार कपड़ा, सिगरेट, रेडिमेड कपड़े, कैपिटल गुड्स व कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक इयर 2017-18 में करीब 5.01 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रभावित हुए हैं।

Rajasthan Patrika

फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट

बढ़ती तस्करी से उद्योगों को नुकसान

जयपुर. जालसाजी व तस्करी से संबंधित अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुना वृद्धि हुई है, जिसके चलते सरकार एवं व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट के अनुसार, केवल सात निर्माण क्षेत्रों में अवैध बाजारों के कारण उद्योग को होने वाला 1,05,381 करोड़ रुपए और सरकार को कुल 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इससे रोजगार के अवसर भी घट रहे हैं। कपड़ा, रेडिमेड वस्त्र, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर व तम्बाकू क्षेत्र में करीब 5.01 लाख प्रत्यक्ष रोजगार

घटे हैं। राजस्थान में अत्यधिक तस्करी का सामान जैसे सोना, सिगरेट आदि जब्त किया गया है। फिक्की कैस्केड की ओर से 'कर्टेनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवार्ड्स प्रॉस्पेरस नेशन बिल्डिंग' विषय पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री रमेश चंद मीणा थे।

Dainik Navjyoti Jaipur

तस्करी से राजस्व को भारी नुकसान

अर्थव्यवस्था को 1,17,253 करोड़ का नुकसान

प्रभावित क्षेत्र

कपड़ा, तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट), रेडीमेड गारमेंट्स, कैपिटल गुड्स (मशीनरी और पार्ट्स), और उपभोक्ता (इलेक्ट्रॉनिक्स) इयूरेबल्स शीर्ष उद्योग हैं जो तस्करी से प्रभावित हैं।

ब्यूरो/नवज्योति,जयपुर

जालसाजी एवं तस्करी से संबंधित अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुणा वृद्धि के परिणाम स्वरूप सरकार एवं व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है, साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थय एवं सुरक्षा पर भी विपरित प्रभाव डाल रहा है। ये विचार यहां खाद्य, नागरिक मंत्री रमेश चन्द मीणा ने व्यक्त किए। मीणा ने फिक्की कैस्केड (स्मगलिंग एंड काउंटरफिटिंग एक्टिविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी कमेटी) की ओर से 'कर्टेनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवाड्र्स प्रॉस्पेरस नेशन बिल्डिंग' विषय पर आयोजित सेमिनार के मुख्य अतिथि थे। डॉ. के एल जैन, सदस्य, फिक्की राजस्थान स्टेट काउन्सिल और मानद महासचिव, आरसीसीआई ने कहा कि जालसाजी और तस्करी उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

राजस्थान में भी अवैध कारोबार बढ़ा

रिपोर्टों के अनुसार, राजस्थान में अत्यधिक तस्करी का सामान जैसे सोना, सिगरेट आदि जब्त किया गया है। तस्करी की सिगरेट बड़े शहरों जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर आदि के अलावा अन्य छोटे शहरों में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। एन के जैन, सदस्य, फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल और अध्यक्ष, द एम्प्लायर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

रिपोर्ट जारी

फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट के अनुसार, केवल सात निर्माण क्षेत्रों में अवैध बाजारों के कारण उद्योग को होने वाला कुल नुकसान लगभग 105,381 करोड़ रुपए और सरकार को कुल 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों के अलावा, सरकारी खजाने को अधिकतम राजस्व का नुकसान तम्बाकू उत्पादों से हो रहा है, जिससे 9193 करोड़ रुपए का राजस्व का नुकसान होता है। इसके बाद मोबाइल फोन 6705 करोड़ रुपए और मादक पेय 6309 करोड़ रुपए। फिक्की कैस्केड द्वारा हाल ही 'इनविजेबल एनिमीः इम्पेक्ट ऑफ स्मगलिंग ऑन इण्डियन इकोनॉमी एण्ड एम्पलॉयमेंट' शीर्षक से किए गए अध्ययन के अनुसार पांच विशिष्ट उद्योगों को तस्करी के कारण राजस्व का तो नुकसान हो ही रहा है साथ ही रोजगार के अवसर भी घट रहे हैं।

Samachar Jagat Jaipur

जालसाजी और तस्करी से राजस्व का भारी नुकसान : खाद्य मंत्री

जयपुर (वार्ता.)। जालसाजी एवं तस्करी से संबंधित अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुणा वृद्धि के परिणाम स्वरूप सरकार एवं व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है, साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थय एवं सुरक्षा पर भी विपरित प्रभाव डाल रहा है। ये उद्गार गुरुवार को यहां खाद्य, नागरिक मंत्री रमेश चन्द मीणा ने व्यक्त किए। रमेश चंद मीणा गुरुवार को फिक्की कैस्केड (स्मगलिंग एंड काउंटरफिटिंग एक्टिविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी कमेटी) की ओर से 'कर्टेनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवाड्र्स प्रॉस्पेरस नेशन बिल्डिंग' विषय पर आयोजित सेमिनार के मुख्य अतिथि थे। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरों पर जागरूकता बढ़ाने और भारत के आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रवर्तन की आवश्यकता पर चर्चा की गई। फिक्की राजस्थान स्टेट काउन्सिल के सदस्य और मानद आरसीसीआई के मानद महासचिव डॉ. के एल जैन अपने स्वागत भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि जालसाजी और तस्करी उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अवैध व्यापार का विकास पर एक गंभीर प्रभाव पड़ता है, जिस पर काफी हद तक अंकुश लगाया जाना चाहिए। भारत सरकार को एक कर शिकायतकर्ता राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक खरीददार पर एक बिल लेने पर जोर देना चाहिए और नागरिकों को प्रगतिशील राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट के अनुसार केवल सात निर्माण क्षेत्रों में अवैध बाजारों के कारण उद्योग को होने वाला कुल नुकसान लगभग 105,381 करोड़ रुपए और सरकार को कुल 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों के अलावा सरकारी खजाने को अधिकतम राजस्व का नुकसान तम्बाकू उत्पादों से हो रहा है, जिससे 9193 करोड़ रुपए का राजस्व का नुकसान होता है। इसके बाद मोबाइल फोन 6705 करोड़ रुपए और मादक पेय 6309 करोड़ रुपए। रिपोर्टों के अनुसार, राजस्थान राज्य में अत्यधिक तस्करी का सामान जैसे सोना, सिगरेट आदि जब्त किया गया है। तस्करी की सिगरेट बड़े शहरों जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर आदि के अलावा अन्य छोटे शहरों में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। सीमा शुल्क, पुलिस विभाग और राज्य प्रवर्तन एजेंसियों ने तस्करी के उत्पादों से निपटने वालों के खिलाफ राज्य में कार्रवाई की है।

Kamyab Kalam Jaipur

जालसाजी और तस्करी पर सेमिनार

जालसाजी एवं तस्करी के कारण राजस्व का भारी नुकसान

जयपुर। जालसाजी एवं तस्करी से संबंधित अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुणा वृद्धि के परिणाम स्वरूप सरकार एवं व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है, साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर भी विपरित प्रभाव डाल रहा है। ये उद्गार खाद्य, नागरिक मंत्री रमेश चन्द मीणा ने व्यक्त किये।

रमेश चंद मीणा, माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, राजस्थान सरकार ने आज फिक्की कैस्केड (स्मगलिंग एंड काउंटरफिटिंग एक्टिविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी कमेटी) की ओर से कंटेनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवार्ड्स प्रॉस्पेरस नेशन बिल्डिंग विषय पर आयोजित सेमिनार के मुख्य अतिथि थे। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरों पर जागरूकता बढ़ाने और भारत के आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रवर्तन की आवश्यकता पर चर्चा की गई। इस अवसर पर रीको तमिलनाडु सरकार के

डॉ. के एल जैन, सदस्य, फिक्की राजस्थान स्टेट काउन्सिल और मानद महासचिव, आरसीसीआई अपने स्वागत भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि जालसाजी और तस्करी उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अवैध व्यापार का विकास पर एक गंभीर प्रभाव पड़ता है, जिस पर काफी हद तक अंकुश लगाया जाना चाहिए। भारत सरकार को एक कर शिकायतकर्ता राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक खरीददार पर एक बिल लेने पर जोर देना चाहिए और नागरिकों को प्रगतिशील राष्ट्र निर्माण का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट के अनुसार, केवल सात निर्माण क्षेत्रों में अवैध बाजारों के कारण उद्योग को होने वाला कुल नुकसान लगभग 105,381 करोड़ रुपए और सरकार को कुल 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों के अलावा, सरकारी खजाने को अधिकतम राजस्व का नुकसान तम्बाकू उत्पादों से हो रहा है, जिससे 9193 करोड़ रुपए का राजस्व का नुकसान होता है। इसके बाद मोबाइल फोन 6705 करोड़ रुपए और मादक पेय 6309 करोड़ रुपए।

फिक्की कैस्केड द्वारा हाल ही इनविजिबल एनिमी: इम्पेक्ट ऑफ स्मगलिंग ऑन इण्डियन इकोनॉमी एण्ड एम्पलॉयमेंट शीर्षक से किए गए अध्ययन के अनुसार पांच विशिष्ट उद्योगों को तस्करी के कारण राजस्व का तो नुकसान हो ही रहा है साथ ही रोजगार के अवसर भी घट रहे हैं। अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार कपड़ा, सिगरेट, रेडिमेड वस्त्र, कैपिटल गुड्स एवं कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक वर्ष 2017-18 में करीब 5.01 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों की हानि हुई वहीं 3.55 लाख लोगों को रेडिमेड वस्त्र उद्योग में एवं तम्बाकू उत्पाद में रोजगार के अवसरों से वंचित रहना पड़ा इन दोनों ही उद्योगों में भारी संख्या में श्रमिक वर्ग कार्यरत हैं। जबकि, इन पांच उद्योगों के पिछड़े हुए जुड़ाव और गुणक प्रभावों के कारण 2017-18 में अर्थव्यवस्था में कुल बेरोजगारी का लगभग 16.36 लाख का नुकसान हुआ है।

इन पांच क्षेत्रों में तस्करी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 1,17,253 करोड़ रुपए खो देती है। एक अन्य फिक्की की रिपोर्ट जिसका शीर्षक है इलिसिट ट्रेडेड-फ्यूलिंग टेरर फाइनेंसिंग और ऑर्गेनाइज्ड क्राइम जो कि 2013 में नकली और पाइरेसी के कारण वैश्विक स्तर पर कुल रोजगार हानि 2 से 2.6 मिलियन हो गई और 2022 में 4.2 से 5.4 मिलियन तक बढ़ने की उम्मीद है। जिसमें 110 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि का संभव है। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक उद्योग प्रमुखों, उपभोक्ता मंचों के प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारियों और इस क्षेत्र के हितधारकों ने भाग लिया।

Punjab Kesri Jaipur

तस्करी से 1.17 लाख करोड़ का हो रहा है नुकसान

फिक्की की ओर से गुरुवार को आयोजित सेमिनार को संबोधित करते खाद्य मंत्री रमेश मीणा।

रोकथाम से पांच प्रमुख उद्योगों में 16.36 लाख बढ़ सकता हैं रोजगार

पंजाब केसरी/जयपुर

कपड़ा, सिगरेट, रेडिमेड वस्त्र, केपिटल गुड्स और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में वर्ष 2017-18 में करीब 5.01 लाख प्रत्यक्ष रोजगार समाप्त हो गए। इन पांच क्षेत्रों में तस्करी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 1,17,253 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

यह जानकारी गुरुवार को यहां फिक्की कैस्केड (स्मगलिंग एंड काउंटरफिटिंग एक्टिविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी कमेटी) की ओर से 'कर्टेनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवार्ड्स प्रॉस्पेरस नेशन बिल्डिंग' विषय पर आयोजित सेमिनार में दी गई। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरों पर जागरूकता और भारत के आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रवर्तन की आवश्यकता पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि खाद्य मंत्री रमेश मीणा ने कहा कि जालसाजी और तस्करी से संबंधित अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुणा वृद्धि के परिणाम स्वरूप सरकार और व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है। साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी विपरित प्रभाव डाल रहा है। सेमीनार में फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि केवल सात निर्माण क्षेत्रों में अवैध बाजारों के कारण उद्योग को होने वाला नुकसान लगभग 105,381 करोड़ रुपए और सरकार को 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों के अलावा, सरकारी खजाने को अधिकतम राजस्व का नुकसान तम्बाकू उत्पादों से हो रहा है, जिससे 9193 करोड़ रुपए का राजस्व का नुकसान होता है। इसके बाद मोबाइल फोन 6705 करोड़ रुपए और मादक पेय 6309 करोड़ रुपए है। रिपोर्टों के अनुसार, राजस्थान में तस्करी का सोना, सिगरेट आदि जब्त किया गया है। तस्करी की सिगरेट बड़े शहरों जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर के साथ अन्य छोटे शहरों में बड़े पैमाने पर उपलब्ध हैं। इससे पहले फिक्की के राजस्थान स्टेट काउन्सिल मेंबर और मानद महासचिव, आरसीसीआई केएल जैन ने स्वागत भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि जालसाजी और तस्करी उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थ व्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। एनके जैन, सदस्य, फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल और अध्यक्ष, द एम्प्लायर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

Daily News Jaipur

जालसाजी और तस्करी पर सेमिनार : तस्करी की रोकथाम से पांच प्रमुख उद्योगों में बढ़ सकते हैं 16.36 लाख रोजगार

जालसाजी एवं तस्करी के कारण राजस्व का भारी नुकसान

डेली न्यूज, जयपुर। खाद्य मंत्री रमेश चंद मीणा ने कहा कि जालसाजी एवं तस्करी से संबंधित अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुणा वृद्धि के परिणाम स्वरूप सरकार एवं व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ। साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर भी विपरित प्रभाव डाल रहा है।

फिक्की कैस्केड (स्मगलिंग एंड काउंटरफिटिंग एक्टिविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी कमेटी) की ओर से 'कर्टेनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवार्ड्स प्रॉस्पेरस नेशन बिल्डिंग' विषय पर आयोजित सेमिनार में मीणा ने यह कहा। सेमीनार में जालसाजी और तस्करी के खतरों पर जागरूकता बढ़ाने और भारत के आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रवर्तन की आवश्यकता पर चर्चा की गई।

अवैध व्यापार पर लगे रोक

इस अवसर पर फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के सदस्य व आरसीसीआई के मानद महासचिव डॉ. के.एल. जैन ने कहा कि जालसाजी और तस्करी उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्थाओं पर प्रभाव डालती हैं। अवैध व्यापार का विकास पर एक गंभीर प्रभाव पड़ता हैं, जिस पर काफी हद तक अंकुश लगाया जाना चाहिए।

बड़े शहरों में उपलब्ध है तस्करी का सामान

रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान राज्य में अत्यधिक तस्करी का सामान जैसे सोना, सिगरेट आदि जब्त किया है। तस्करी की सिगरेट बड़े शहरों जैसे जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, जैसलमेर आदि के अलावा अन्य छोटे शहरों में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं।

भारत में क्राइम सर्ज पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान भारत में क्राइम सर्ज पर पैनल चर्चा हुई। इस दौरान प्रमुख उद्योगों, कानून फर्म के प्रतिनिधियों ने संबोधित किया। फिक्की राजस्थान स्टेट काउंसिल के सदस्य एन.के.जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक उद्योग प्रमुखों, उपभोक्ता मंचों के प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

सात उद्योगों को हो रहा भारी नुकसान

फिक्की कैस्केड की रिपोर्ट के अनुसार, सात निर्माण क्षेत्रों में अवैध बाजारों के कारण उद्योग को होने वाला कुल नुकसान लगभग 105,381 करोड़ रुपए हैं और सरकार को 39,239 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों के अलावा, सरकारी खजाने को अधिकतम राजस्व का नुकसान तंबाकू उत्पादों से हो रहा है, जिससे 9193 करोड रुपए का राजस्व का नुकसान होता है। अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार कपड़ा, सिगरेट, रेडिमेड वस्त्र, केपिटल गुड्स एवं कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक वर्ष 2017-18 में करीब 5.01 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों की हानि हुई। वहीं 3.55 लाख लोगों को रेडिमेड वस्त्र उद्योग में एवं तंबाकू उत्पाद में रोजगार के अवसरों से वंचित रहना पड़ा।

Dainik Adhikar Jaipur

तस्करी पर रोक से बढ़ सकते हैं 16 लाख रोजगार : फिक्की

जालसाजी और तस्करी पर सेमिनार

जयपुर, (कासं)। जालसाजी एवं तस्करी से संबंधित अपराधों में वैश्विक स्तर पर कई गुणा वृद्धि के परिणाम स्वरूप सरकार एवं व्यापार को राजस्व का भारी नुकसान हुआ है, साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थय एवं सुरक्षा पर भी विपरित प्रभाव डाल रहा है। ये उद्गार आज यहां खाघ, नागरिक मंत्री रमेश चन्द मीणा ने व्यक्त किये।

रमेश चंद मीणा, माननीय खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले, राजस्थान सरकार ने आज फिक्की कैस्केड (स्मगलिंग एंड काउंटरफिटिंग एक्टिविटीज डेस्ट्रॉइंग द इकोनॉमी कमेटी) की ओर से ''कटेंनिंग काउंटरफिटिंग एंड स्मगलिंग-ए स्टेप टुवार्ड्स प्रॉस्पेरस नेशन बिल्डिंग'' विषय पर आयोजित सेमिनार के मुख्य अतिथि थे।

डॉ. के एल जैन, सदस्य, फिक्की राजस्थान स्टेट काउन्सिल और मानद महासचिव, आरसीसीआई अपने स्वागत

भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि जालसाजी और तस्करी उद्योगों, उपभोक्ताओं, सरकार और अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार कपड़ा, सिगरेट, रेडिमेड वस्त्र, केपिटल गुड्स एवं कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक वर्ष 2017-18 में करीब 5.01 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अवसरों की हानि हुई वहीं 3.55 लाख लोगों को रेडिमेड वस्त्र उद्योग में एवं तम्बाकू उत्पाद में रोजगार के अवसरों से वंचित रहना पड़ा इन दोनों ही उद्योगों में भारी संख्या में श्रमिक वर्ग कार्यरत हैं। जबकि, इन पांच उद्योगों के पिछड़े हुए जुड़ाव और गुणक प्रभावों के कारण 2017-18 में अर्थव्यवस्था में कुल बेरोजगारी का लगभग 16.36 लाख का नुकसान हुआ है।

कार्यक्रम के दौरान पैनल चर्चा के हुई जिसमें भारत में क्राइम सर्ज पर चर्चा - तस्करी और जाली उत्पादों के खिलाफ लड़ने के लिए तस्करी और जालसाजी और सरकार और उद्योग की भूमिका में प्रवर्तन एजेंसियों की भूमिका पर प्रमुख उद्योगों, कानून फर्म के प्रतिनिधियों ने सम्बोधित किया।

इस खतरे के उपभोक्ता के बीच बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने के लिए फिक्की कैस्केड और सरकार द्वारा कई कदम उठाए जा रहे हैं।